स्मारिका

RAJASTHAN FILM FESTIVAL

नई सोच, नई दिशा

2013	2014	2015	2016	2017..

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल
सफरनामा

एक दौर था जब राजस्थानी सिनेमा का परचम सारे जहान में लहराता था। बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार राजस्थानी फिल्मों में काम करते थे। म्हारी प्यारी चनणा, सुपातर बीनणी, बाई चाली सासरिये जैसी कई फिल्मों ने सिल्वर जुबली मनाई।

लेकिन 90 के दशक के बाद राजस्थानी सिनेमा की रफ्तार धीमी हो गयी और धीरे धीरे सन 2000 के बाद राजस्थानी सिनेमा काफी नाजुक दौर में आ गया। राजस्थानी सिनेमा में जुड़े कलाकार पलायन करने लगे, ऐसे मुश्किल दौर में कंचन कैसेट्स एवं सिरीज ने राजस्थानी सिनेमा के प्रोत्साहन के लिए 28 सितम्बर, 2013 को राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के रूप में एक अवार्ड फेस्टिवल की नींव रखी जो आज बहुत बड़ा आकार ले चुका है। हालाँकि ऐसे समय में राजस्थान फिल्म फेस्टिवल कोई आसान काम नहीं था, इसके सफर में बहुत सी मुश्किलें आयीं, लेकिन सैकड़ों मुश्किलों के बावजूद ये सफर जारी है।

इसके तहत राजस्थानी सिनेमा में जुड़े सैकड़ों कलाकारों को विभिन्न श्रेणियों में पुरुस्कृत किया गया और कई हस्तियों को लाइफटाइम अचीवमेंट से नवाजा गया। इस प्रथम समारोह से राजस्थानी सिनेमा के चेहरे पर एक नयी चमक आई, लोग जागरूक हुए और फिल्मों का दौर फिर से शुरू हुआ।

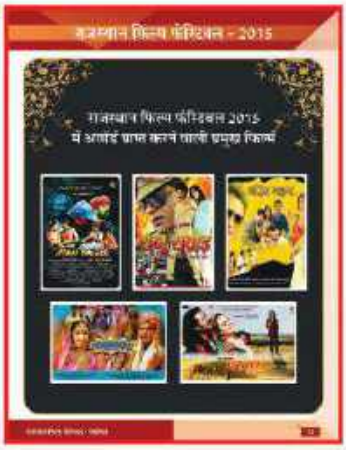

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - नई सोच नई दिशा

इसके पश्चात् यह समारोह दो दिवसीय हुआ जिसमे प्रथम दिन सिनेमा की दशा एवं दिशा पर विशेष परिचर्चा रखी गयी जिसमें राजस्थानी सिनेमा से जुड़े सभी निर्माताओं, निर्देशकों, कलाकारों ने हिस्सा लिया और सरकार का ध्यान भी सिनेमा की ओर आकृष्ट किया। फलस्वरूप सरकार ने अनुदान राशि 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख कर दी, जो राजस्थानी सिनेमा के लिए संजीवनी है और दूसरे दिन एक भव्य अवार्ड समारोह रखा गया जिसमें राजस्थानी सिनेमा के साथ बॉलीवुड के कलाकारों ने भी शिरकत की।

आगामी संस्करणों में इस समारोह का आकार और बड़ा हुआ और राजस्थानी सिनेमा तथा संस्कृति के विकास के लिए युवाओं को जोड़ा गया जिसके तहत कॉलेज और स्कूलों में जाकर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां रखी गयी और युवाओं ने इन कार्यक्रमों में बढ़चढ़ के हिस्सा लिया। इसके साथ-साथ इन समारोह में जावेद अख्तर, सुभाष घई जैसे बड़े-बड़े बॉलीवुड लोगों ने भी राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के मंच पर अपने विचार रखे जो हमारे लिए गर्व की बात है।

पिछले समारोह की सार्थकता को देखते हुए 2017 में इस समारोह को तीन दिवसीय कर दिया गया। जिसके तहत प्रथम दिन सांस्कृतिक गतिविधियों, दूसरे दिन राजस्थानी सिनेमा पर विशेष परिचर्चा रखी गयी और तीसरे दिन भव्य अवार्ड नाइट का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न कैटेगरी में कलाकारों को अवार्ड दिए गए और पद्मभूषण प. विश्वमोहन भट्ट को लाइफटाइम अचीवमेंट से नवाजा गया। इस समारोह में भी बॉलीवुड और राजस्थानी सिनेमा की अभूतपूर्व जुगलबंदी देखने को मिली।

इस राजस्थानी फिल्म फेस्टिवल से कई सार्थक परिणाम सामने आये हैं, राजस्थानी सिनेमा में जुड़े कलाकारों को एक नई पहचान मिली है। हमारी फिल्में मल्टीप्लैक्स में रिलीज होने लगी हैं जो कि राजस्थानी सिनेमा के लिए शुभ संकेत है। भविष्य में भी यह सफर जारी रहेगा और राजस्थानी सिनेमा निश्चित रूप से नई ऊँचाइयों को छुएगा इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - नई सोच नई दिशा

"न पूछो मेरी मंजिल कहां है
अभी तो सफर का इरादा किया है
ना हारूंगी हौसला उम्र भर
ये मैंने किसी से नहीं खुद से वादा किया है"

दोस्तों राजस्थानी सिनेमा की बेहतरी के लिए रोपा गया छोटा सा बिरवा आज बहुत बड़ा पेड़ बन गया है जो संतोषजनक है, हालांकि यह सफर बहुत मुश्किल था लेकिन समय-समय पर आप सभी का सहयोग मिला उसी का नतीजा है कि आज हम काफी हद तक कामयाब हो रहे हैं पर मंजिलें अभी और भी हैं। इस सफर को अभी बहुत आगे ले जाना है और लंबे कदम भरने हैं।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत एक दिवसीय अवार्ड समारोह से हुई, फिर ये दो दिवसीय हुआ, पिछला समारोह तीन दिवसीय किया गया और 2018 का आयोजन आप सभी के सहयोग से पांच दिवसीय होगा यह सब आप लोगों की मेहनत और सहयोग का ही नतीजा है।

मेरी ख्वाहिश है कि राजस्थानी सिनेमा का परचम सारे जहान में लहराए, लेकिन मैं अकेली कुछ नहीं कर सकती इसके लिए राजस्थानी सिनेमा से जुड़े प्रत्येक सदस्य को कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। मैं चाहती हूँ कि बॉलीवुड में निवेश करने वाले फिल्म निर्माता राजस्थानी फिल्मों के लिए भी निवेश करें, इसके साथ जुड़ें, इसे सहेजे, इससे यह कदम राजस्थानी सिनेमा के लिए बहुत बड़ा होगा।

मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि एक दिन ऐसा जरूर आएगा और हमारी राजस्थानी सिनेमा का परचम सारे जहान में लहराएगा इसी उम्मीद के साथ।

|| जय जय राजस्थान ||

संजना शर्मा
(फाउंडर) राजस्थान फिल्म फेस्टिवल

घणी खम्मा राम राम!

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल का पांचवां संस्करण 14 से 16 सितंबर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और यह सफर आगे भी जारी रहेगा। राजस्थान फिल्म फेस्टिवल ने राजस्थानी सिनेमा ओर संस्कृति को चारों ओर फैलाने का अत्यंत सराहनीय कार्य किया है और अब तक जो मुकाम हासिल किया है उस पर गर्व किया जा सकता है।

मैं पिछले 5 सालों से इस समारोह के प्रोग्रामिंग हैड के पद पर कार्यरत हूं जो कि मेरे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। मैं सदैव राजस्थानी सिनेमा के लिए तत्पर रहूंगा और इस कार्य को भविष्य में भी ईमानदारी पूर्वक करता रहूंगा। राजस्थानी सिनेमा और यह समारोह आप सभी का है और सब के सहयोग से ही हम हमारे सिनेमा को ऊँचाइयों पर ले जा सकते हैं और बॉलीवुड के समकक्ष खड़ा कर सकते हैं।

इसके साथ-साथ मैं संजना शर्मा जी का भी शुक्रिया अदा करना चाहूंगा जिन्होंने मुझे इस शो की इतनी बड़ी जिम्मेदारी प्रदान की है और मैं भी इसे निभाने का सदैव प्रयास करता रहूंगा।

|| जय जय राजस्थान ||

अनिल कुमार जैन
प्रोग्रामिंग हैड

दीपक अग्रवाल
(निदेशक, बीकाजी ग्रुप)

BIKAJI
ASLEE BIKANERI

"सफर को बनाया
आपके सहयोग ने आसान
आपके साथ से मिली
हमारे हौसलों को उड़ान"

कोई भी बड़ा आयोजन किसी के सहयोगी हाथों के बिना संभव नहीं हो सकता, राजस्थान फिल्म फेस्टिवल जो कि हमारी रीजनल भाषा और सिनेमा के उत्थान के लिए लगातार संघर्ष करता आ रहा है,

हमें अगर आपका साथ नहीं मिला होता तो हमारे संघर्ष की डगर और भी कठिन हो जाती इसलिए राजस्थान फिल्म फेस्टिवल तहेदिल से आभार व्यक्त करता है बीकाजी ग्रुप का जो पिछले तीन सालों से हमारे इस सफर में साथ बने रहे हैं।

आपके इस साथ और सहयोग से हमारे इस सफर को हौसला मिला है साथ ही हम आशा करते हैं कि आप आगे भविष्य में भी हमारा साथ कदम से कदम मिला कर देते रहेंगे और अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

"सफर ये यूँ ही आगे बढ़ता रहेगा
आपका साथ इसे नई मंजिले दिलाता रहेगा"

इन्हीं सहयोगी हाथों में एक नाम और है वो है ओसवाल ग्रुप का जिन्होंने राजस्थानी भाषा और सिनेमा के हमारे इस संघर्ष में हमारा साथ दिया है। राजस्थान फिल्म फेस्टिवल हृदय की गहराइओं से आपका आभार व्यक्त करता है। आपके इस सहयोग से हमारे इस आयोजन रूपी सफर को करने में आसानी रही है और हमारे हौसलों को परवाज मिली है।

साथ ही आप आगे भी भविष्य में हमारे हमकदम बनके खड़े रहेंगे ऐसी हम आपसे आशा रखते हैं।

और अगर हम राजस्थान फिल्म फेस्टिवल और राजस्थानी सिनेमा को और ऊँचाइयों तक ले जाना चाहते हैं तो उसके लिए आप जैसे बड़े ग्रुप के सहयोगी हाथों की जरुरत है और हमारा विश्वास है कि ऐसे हाथ और जुड़ेंगे और इसे नई ऊँचाइया दिलाते रहेंगे।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - नई सोच नई दिशा

"जो भरा नहीं है भावों से
बहती जिसमें रसधारा नहीं
वह हृदय नहीं पत्थर है
जिसको माटी से प्यार नहीं"

दिनकर साहब ने सचमुच कितना सही कहा है कि वो पत्थर ही है जिसे अपनी माटी से प्यार नहीं। मैं राजस्थानी हूँ, मुझे यहां की मिट्टी, खानपान, पहनावे, रीति - रिवाज, कला एवं संस्कृति से बेहद प्यार है। यहां की हर एक चीज से मुझे लगाव है, इसलिए इस मिट्टी से जुड़े किसी भी अवसर को मैं खोना नहीं चाहता हूँ। इसलिए राजस्थान में आने के हमेशा बहाने तलाशता रहता हूँ ।

मैं फिल्मी परिवार से हूँ, मेरे पिताजी ने कई राजस्थानी फिल्में बनाई, चाचाजी भी फिल्मों में सक्रिय हैं। मैं भी कहीं न कहीं फिल्मों से ही जुड़ा हूँ पर मुझे अफसोस है कि मैं कोई राजस्थानी फिल्म नहीं बना सका इसलिए मेरी यही इच्छा रही है कि जितना मुझसे बन पड़े उतना राजस्थानी सिनेमा के लिए करूँ, यहां की मिट्टी के लिए कुछ करूँ, यही सोचकर पिछले पांच साल से में राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के साथ जुड़ा हुआ हूँ, यह समारोह राजस्थानी सिनेमा के लिए सार्थक कदम है। ऐसे प्रयास ही सिनेमा और संस्कृति को आगे लेकर जाते हैं।

जहाँ तक राजस्थानी फिल्मों की बात है, आज हमारा सिनेमा अन्य रीजनल सिनेमा की तुलना में उतना सुदृढ़ नहीं है किन्तु सरकार अगर दो कदम साथ चले तो निश्चित रूप से परिणाम बेहतर ही आएगा। हमारे यहां की बहुत खूबसूरत लोकेशन है सरकार को राजस्थानी सिनेमा के लिए लोकेशन मुफ्त उपलब्ध करवानी चाहिए, ताकि हमारा सिनेमा आगे बढ़ सके, उनके साथ-साथ निर्माताओं को भी वही फिल्में बनानी चाहिए जिनमें माटी की खुशबू आये तभी हमारे राजस्थानी सिनेमा का परचम पूरी दुनिया में लहरायेगा।

कोमल नाहटा
संरक्षक

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - नई सोच नई दिशा

मैं एक व्यवसायी हूँ, कोई कलाकार नहीं, पर राजस्थानी होने के नाते मुझे यहां की कला, संस्कृति और सिनेमा से बेहद लगाव है। सभी चीजें मेरी रगो में समाहित हैं।

हालाँकि पहले मैंने अपनी व्यस्तताओं के कारण इन चीजों पर इतना ध्यान नहीं दिया पर जबसे राजस्थान फिल्म फेस्टिवल से जुड़ा तब से मेरे मन में हमारी कला, संस्कृति एवं सिनेमा के लिए कुछ करने की तमन्ना जगी। पहले मैं राजस्थान फिल्म फेस्टिवल का बाहरी तौर पर समर्थक था पर अब संरक्षक होने पर स्वयं को गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूँ।

अब जीवन का यही सपना है कि जो युवा कला एवं सिनेमा के क्षेत्र में आगे आना चाहते हैं उन्हें राजस्थानी सिनेमा के माध्यम से अधिक से अधिक अवसर प्रदान कर प्रोत्साहित किया जाए और इसके लिए भरसक प्रयास जारी है।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल का संरक्षक होने के नाते मैं चाहता हूँ कि हमारे यहां अच्छी फिल्में बनें, स्टूडियो हो, फिल्म सिटी विकसित हो, अच्छे इंस्टीट्यूट हो ताकि हमारे कलाकारों को बाहर पलायन नहीं करना पड़े। मैं इसके लिए आजीवन प्रयास करता रहूंगा।

आज राजस्थान फिल्म फेस्टिवल ने बहुत ही कम समय में अपने प्रदेश में ही नहीं बल्कि समूचे देश में अपनी अलग पहचान बनाई है और अब मेरा यह सपना है कि यह समारोह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जाए और हमारी कला, संस्कृति एवं सिनेमा का डंका पूरी दुनिया में बजता रहे।

सुखवीर सिंह
संरक्षक

राजस्थानी सिनेमा हमारी भाषा एवं संस्कृति के विकास में सहायक :

हिज हाईनेस महाराजा गजसिंह

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के लिए हिज हाईनेस महाराजा गजसिंह ने कहा है कि राजस्थानी सिनेमा हमारी राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति के विकास में सहायक है और राजस्थान फिल्म फेस्टिवल हमारी संस्कृति और सिनेमा के लिए सार्थक कदम है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अधिक से अधिक राजस्थानी फिल्में बननी चाहिये ताकि हमारे कलाकारों को काम और सम्मान मिलें।

राजस्थान में अनेकों खूबसूरत लोकेशन हैं। यहाँ पर प्रकृति मेहरबान हैं। सारी दुनिया यहाँ फिल्में शूट करने आती है तो हमें भी यहाँ की लोकेशन को उपयोग में लेना चाहिए और अगर अच्छी कहानी हुई तो मेहरानगढ़ और उम्मेद भवन को कम से कम खर्च पर राजस्थानी सिनेमा के लिए उपलब्ध करवाने का प्रयास करूंगा।

|| जय जय राजस्थान ||

फिल्मों में लौटें 60 का दशक : जावेद अख्तर

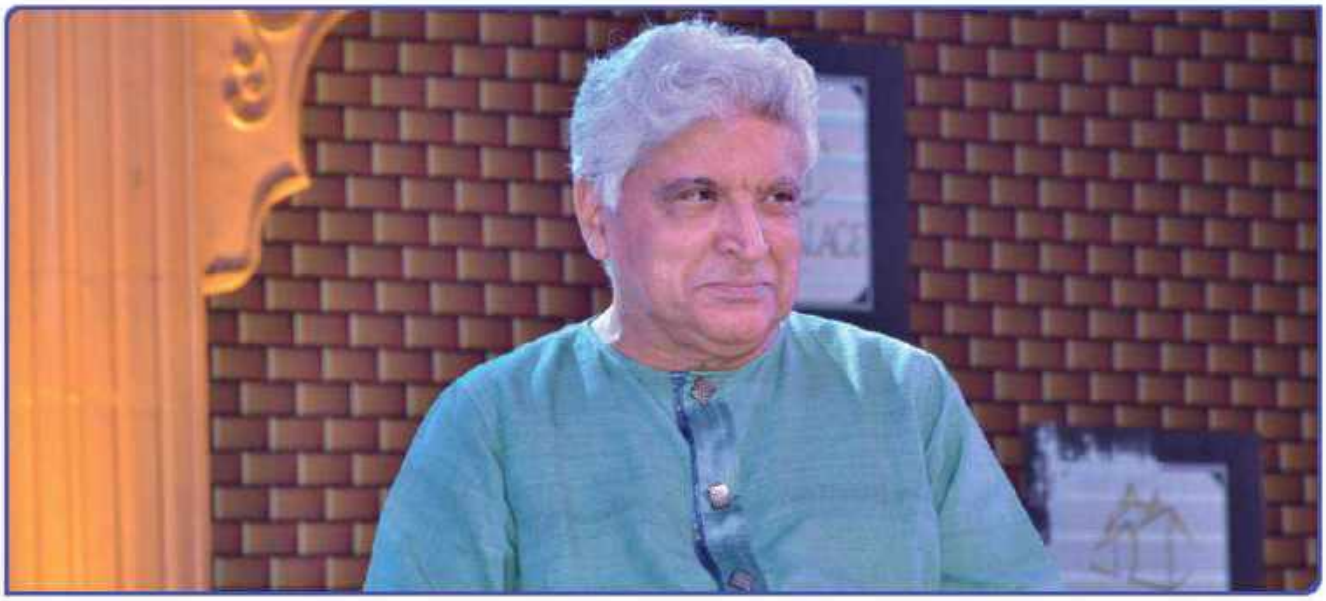

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के 5वें संस्करण, 2017 के मुख्य अतिथि जावेद अख्तर ने समारोह के दौरान कहा कि राजस्थान की मिट्टी में म्यूजिक है, क्राफ्ट है - सब कुछ है लेकिन यहाँ के सिनेमा को उड़ान नहीं मिल रही है। उन्होंने सरकार की ओर इशारा करते हुए कहा कि कुछ हम चलें और कुछ वो चलें तो शायद सिनेमा आगे बढ़ सकता हैं और सरकार को सिनेमा के लिए सब्सिडि बढ़ा देनी चाहिये।

उन्होंने ये भी कहा कि 60 के दशक में बनी मूवीज में सामाजिक मुद्दे होते थे उनकी कहानियाँ शिक्षाप्रद होती थीं जिसमें सामाजिक कुरीतियों के टॉपिक्स होते थे लेकिन आजकल फिल्मों के टॉपिक्स बदल गये हैं। वो दौर वापस आना चाहिए, साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि राजस्थानी फिल्मों को लेकर अगर कोई दुबारा आयोजन हुआ तो मैं जरूर आऊँगा।

नई सोच नई दिशा एक सार्थक अवधारणा : सुभाष घई

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल 2015 के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि सुभाष घई समारोह के मुख्य अतिथि बने। उन्होंने बड़ी खुशी महसूस करते हुए राजस्थान फिल्म फेस्टिवल की अवधारणा नई सोच नई दिशा को सार्थक बताया और कहा कि अगर कोई नई सोच और नई दिशा के साथ चलता है तो उसकी आधी मुश्किलें तो वैसे ही आसान हो जाती हैं।

साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि राजस्थान कला, साहित्य और संस्कृति का भण्डार है, हमें हमारे कल्चर को प्रमोट करते हुए फिल्मों का निर्माण करना चाहिये, हमें किसी और का अनुसरण न करते हुए स्वयं के साहित्य और संस्कृति का अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं है सिनेमा अपनी कला एवं संस्कृति को हर जगह पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम है अगर हमें अपने सिनेमा को उठाना है तो केवल सरकार के भरोसे बैठना उचित नहीं है, हमें स्वयं को प्रयास करने होंगे तभी राजस्थानी सिनेमा आगे बढ़ेगा।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल राजस्थानी सिनेमा के लिए सार्थक कदम : राज्यवर्धन सिंह राठौड़

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल 2015 की अध्यक्षता सूचना एवं प्रसारण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह समारोह राजस्थानी सिनेमा के लिए एक सार्थक कदम है क्योंकि इससे कलाकारों को मंच मिलता है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि बेशक हमारे यहां छोटे बजट की फिल्में बनती हैं लेकिन कहानी को सही तरीके से प्रस्तुत किया जाये तो वे भी पूरी दुनिया में अपना परचम लहरा सकती हैं। सिनेमा के लिए भाषा कतई बाधा नहीं है। सिनेमा केवल प्रस्तुतिकरण मांगता है अगर वो अच्छा है तो छोटी बात को भी बड़ा होने में वक्त नहीं लगता। राजस्थान ऐसी धरती है जहाँ घर-घर में कहानियाँ हैं, उन्हें लेकर अगर फिल्में बनाई जाये तो वे निश्चित रूप से विश्वभर में कमाल कर सकती हैं।

मंत्री होने के नाते उन्होंने ये भी कहा कि मैं दूरदर्शन से व्यक्तिगत रूप से गुजारिश करूंगा कि सप्ताह में कम से कम एक दिन राजस्थानी फिल्म का प्रसारण किया जाये और आप भी सरकार को राजस्थानी सिनेमा की बेहतरी के लिए सुझाव दें। आखिर में उन्होंने सभी को शुभकामनाएँ दीं।

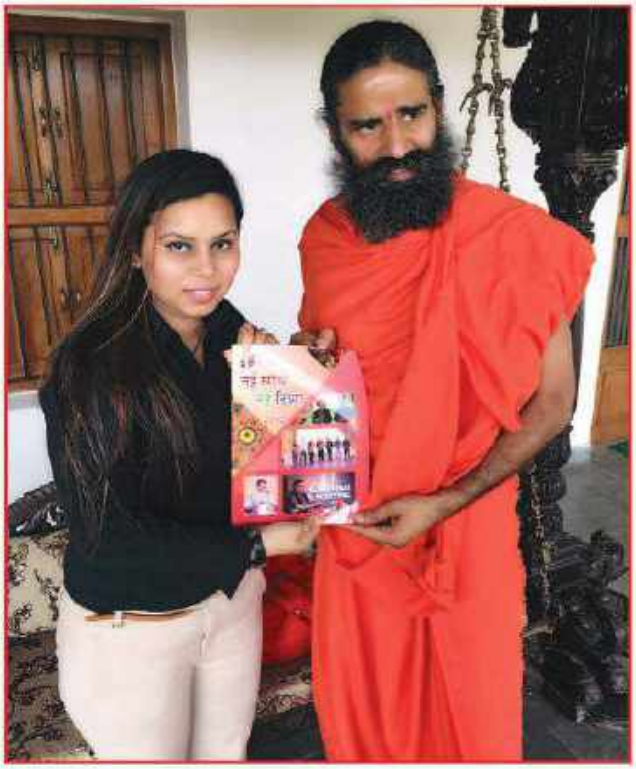

प्रथम दिन - थिरके युवा
जीवन्त हुई राजस्थानी संस्कृति

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल प्रदेश के युवाओं को हमारी राजस्थानी संस्कृति से रूबरू करवाने के लिए 2015 से हर साल विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां करवाता आ रहा है, जिसके तहत 2015 में 32 स्कूल और कॉलेजों में जाकर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन हुआ जिसमें वहाँ के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 2016 में इसका आकार और बड़ा हुआ और इन गतिविधियों में करीब 40 कॉलेजों और स्कूलों ने भाग लिया।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - 2017

2017 में लगभग 44 स्कूल और कॉलेजों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाने के साथ-साथ इस कार्यक्रम को एक बड़े मंच की ओर ले गए जिसके अंतर्गत सीतापुरा स्थित compucom कॉलेज में एक भव्य डांस प्रतियोगिता हुई जिसमें 10 कॉलेजों के सैकड़ों युवाओं ने हिस्सा लिया और राजस्थानी सिनेमा और राजस्थानी लोकगीतों और नृत्यों पर विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। आकर्षक लिबासों में सजे युवाओं ने जब राजस्थानी कल्चर थीम पर अपने लयबद्ध कदम थिरकाए तो माहौल राजस्थानी सोंधी खुशबू से महक उठा।

इस कार्यक्रम की शुरुआत भावपूर्ण गणेश वंदना से हुई इसके बाद युवाओं ने घूमर, कालबेलिया, तेरह ताली आदि नृत्यों से माहौल को खुशनुमा बना दिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जे. डी. माहेश्वरी जी ने की और एक्ट्रेस नेहा श्री, सिंगर मोहित गौर , कोरियोग्राफर निक्की थापा व राइटर कुणाल वर्मा ने जज के रूप में युवाओं को परखा।

इस फिनाले में प्रथम स्थान महारानी गर्ल्स कॉलेज ने हासिल किया। पोद्दार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट को द्वितीय तथा टैगोर गर्ल्स कॉलेज तृतीय स्थान पर रही। फिनाले में प्रथम विजेता को 21 हजार व ट्रॉफी, द्वितीय को 11 हजार व ट्रॉफी तथा तृतीय को ट्रॉफी प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। राजस्थान फिल्म फेस्टिवल का यह प्रयास राजस्थानी संस्कृति के लिए एक अनूठी पहल है और इस प्रयास को हम हर साल नयी ऊँचाइयों पर लेकर जायेंगे।

दूसरा दिन - परिचर्चा हमारा राजस्थानी सिनेमा

पर्दे पर जीवंत हुआ बलजी भूरजी का बलिदान

राजस्थानी सिनेमा संस्कृति से लबरेज तीन दिवसीय राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन राजस्थानी सिनेमा की दशा एवं दिशा पर होने वाली विशेष परिचर्चा की शुरुआत क्रांतिकारी बलजी भूरजी पर सैंड आर्ट से बनी एक विशेष फिल्म से हुई, निर्माता महेंद्र गौर के द्वारा बनाई गई करीब 25 मिनट की इस फिल्म में सन 1857 स्वतंत्रता संग्राम के वीर बलजी भूरजी की फिरंगियों के खिलाफ आवाज को दर्शाया गया है। इस फिल्म के प्रभावी दृश्यों को सैंड आर्ट से इण्डियाज गोट टैलेंट फेम असम के रोबिन रार ने अपनी कुशलता से प्रभावी बनाया।

इसके पश्चात् राजस्थानी सिनेमा से जुड़े निर्माता-निर्देशक, कलाकार, टेक्नीशियन लेखक आदि ने राजस्थानी सिनेमा के कई पहलुओं पर विशेष परिचर्चा की साथ ही राजस्थानी भाषा की मान्यता को लेकर भी अपनी आवाज उठाई और सरकार का ध्यान खींचा।

इस परिचर्चा से प्रभावित होकर जन टीवी के प्रमुख एस. के. सुराणा ने राजस्थानी फिल्मों को जन टीवी पर बिना किसी शुल्क के प्रसारित करने का बीड़ा उठाया। उन्होंने कहा कि अब जन टीवी के माध्यम से राजस्थानी फिल्मों का प्रसारण होगा। इससे राजस्थानी सिनेमा संस्कृति सैटेलाइट के माध्यम से घर-घर पहुंचेगी और राजस्थान सिनेमा का विकास होगा यह राजस्थानी सिनेमा के लिए बड़े शुभ संकेत हैं।

इस परिचर्चा की अध्यक्षता चीफ जस्टिस महेंद्र सिंह राघव जी ने की, साथ ही राजस्थान फिल्म फेस्टिवल की फाउंडर संजना शर्मा ने समारोह की मुख्य गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस परिचर्चा में राजस्थानी सिनेमा से जुड़े सभी गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

तीसरा दिन - दीप स्मृति में सतरंगी हुआ राजस्थानी सिनेमा

कलाकारों को मिला सम्मान

राजस्थानी भाषा कला, संस्कृति एवं राजस्थानी सिनेमा के कलाकारों को सम्मान प्रदान करने के लिए हर साल की भांति इस बार भी कंचन कैसेट एवं सिरीज के बैनर तले दीप-स्मृति सभागृह मानसरोवर में तीन दिवसीय राजस्थान फिल्म फेस्टिवल संपन्न हुआ। इस समारोह की अध्यक्षता बॉलीवुड के जाने माने लेखक जयप्रकाश चोकसे ने की। समारोह की शुरुआत पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर सैंड आर्ट से बनी डॉक्यूमेंट्री से हुई जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस डॉक्यूमेंट्री को असम के इंडियाज गॉट टैलेंट रोबिन ने अपनी कलात्मकता से जीवन्त किया और कलाम साहब से जुड़े विभिन्न पहलुओं को बड़ी सहजता से महसूस कराया। इसका निर्माण निर्माता निर्देशक महेंद्र गौर ने किया

समारोह में बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति झंगियानी, अनिरुद्ध दवे, रोहित पुरोहित, कोमल नाहटा, मोहित गौर, गजेंद्र वर्मा, सुरेन्द्र पाल, गुलाबों सपेरा, वी.आई.पी. और कई कलाकारों ने कार्यक्रम को रौनकदार बना दिया। इस बार पदम भूषण प. विश्वमोहन भट्ट जी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। समारोह में राजस्थानी फिल्मों को विभिन्न श्रेणियों में अवार्ड प्रदान किए गए जिससे कलाकारों को सम्मान मिला ।

अमन वर्मा, रोहित पुरोहित, हिमांशु सोनी, महेंद्र गौड़ और आर. जे. मोहित के संचालन से बने इस प्रोग्राम में तेलंगाना और पुदुचेरी की मनोरम सांस्कृतिक झलक देखने को मिली, साथ ही राजस्थानी सिनेमा से जुड़े विभिन्न कलाकारों ने अपनी नयनाभिराम प्रस्तुतियों से सभी दर्शकों का मन मोह लिया। इस समारोह में निर्णायक के रूप में मशहूर डायरेक्टर नरेश मल्होत्रा, पंडित विश्वमोहन भट्ट और कैमरामैन इंद्रजीत बंसल ने अपनी भूमिका निभाई। समारोह के अंत में फिल्म फेस्टिवल की फाउंडर संजना शर्मा एवं प्रोग्रामिंग हैड अनिल कुमार जैन ने सभी का आभार व्यक्त कर समारोह का समापन किया।

पण्डित विश्वमोहन भट्ट को नवाजा गया
लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड 2017

इनका जन्म 27 जुलाई सन 1950 को जयपुर में हुआ। महज 13 साल की उम्र से ही उन्होंने अपनी 300 साल पुरानी विरासत को आगे बढ़ाते हुए संगीत के क्षेत्र में कदम रखा। शुरुआती तालीम उन्होंने माता-पिता स्व. मनमोहन भट्ट और दिवंगत चन्द्रकला भट्ट से ली। उसके बाद 1983 में उन्होंने पंडित रविशंकर जी को गुरु बनाया, मशहूर सितार वादक पंडित रविशंकर जी से संगीत शिक्षा हासिल करना ही उनके जीवन का सबसे बड़ा बदलाव साबित हुआ।

पंडित विश्वमोहन भट्ट ने अपने जीवन में अनेक अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय संगीत प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत की हैं। उन्होंने सन् 1995 में यू. एन. ओ. के 50वे वर्ष पर मेडिसन स्क्वायर गार्डन न्यूयार्क में अपने भारतीय शास्त्रीय संगीत को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ऊंची उड़ान दी। पंडित विश्वमोहन भट्ट को 1970 से लेकर अब तक अनेको पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। उन्हें सन् 1994 में उनकी एल्बम ए मीटिंग द रिवर के लिए मोस्के की दुनिया के सबसे मकबूल ग्रेमी पुरस्कार से नवाजा गया, साथ ही सन् 1999 में राष्ट्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से नई दिल्ली में, सन् 2001 में राष्ट्रीय एकता पुरस्कार से, सन् 2002 में पदम् श्री से, सन् 2015 में राष्ट्रीय तानसेन सम्मान से सम्मानित किया गया।

उनकी संगीत क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सन् 2017 में भारत के राष्ट्रपति माननीय प्रणव मुखर्जी द्वारा पदम भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया जो कि अपने आप में बड़े गौरव की बात है।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल ऐसी शख्सियत को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान कर गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल -2017

समारोह के होस्ट व एंकर

AMAN VERMA

MAHENDRA GAUR

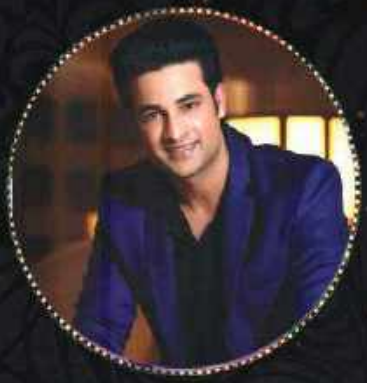

HIMANSHU SONI

ANCHOR KABEER

ANIRUDH DAVE

ROHIT PUROHIT

RJ MOHIT

PERFORMANCE (RFF-2017)

झलकियाँ (RFF-2017)

झलकियाँ (RFF-2017)

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - 2017

JURY PANEL

प.विश्वमोहन भट्ट
मशहूर वीणा वादक

नरेश मल्होत्रा
फिल्म निर्देशक

इंद्रजीत बंसल
कैमरामैन

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल हृदय की गहराइयों से हमारे जूरी सदस्य प. विश्वमोहन भट्ट जी, नरेश मल्होत्रा जी और इंद्रजीत बंसल जी का धन्यवाद करता है जिन्होंने अपने अनुभव से फिल्मों को अच्छे से देखने और परखने के बाद सभी अवार्ड कैटेगरी में बेहतर चुनाव किया।

साथ ही हम आशा करते हैं कि आप आगे भी इसी तरह राजस्थान फिल्म फेस्टिवल और राजस्थानी सिनेमा की बेहतरी के लिए हमारा साथ निभाते रहेंगे।

|| जय जय राजस्थान ||

झलकियाँ (RFF-2016)

झलकियाँ (RFF-2016)

झलकियाँ (RFF-2015)

लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड

2016

इकराम राजस्थानी

2015

मोहन कटारिया

2014

नाहटा परिवार

श्याम सुन्दर जालानी

2013

मोहन सिहं राठौड़

क्षितिज कुमार

रमेश तिवाड़ी

नीलू बाघेला

गुलाबो सपेरा

स्व. ओ.पी. व्यास

वीणा कैसेट

मॉडर्न विडियो

Celebrity at Rajasthan Film Festival

Pandit Vishwa Mohan Bhatt

Prakash Chouksey

Preeti Jhangiani

Surender Pal

Gajendra Verma

Gulabo Sapera

Anup Soni (Host)

Deepak Agarwal(Bikaji Group)

Arun Bakshi(Host)

Celebrity at Rajasthan Film Festival

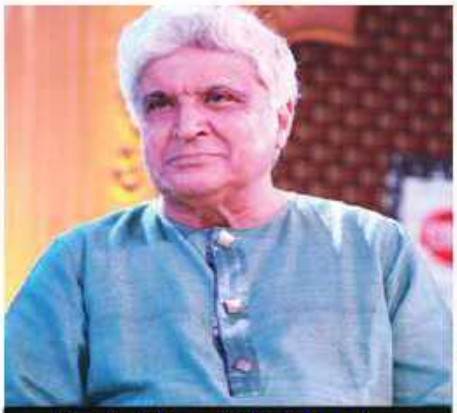
Javed Akhtar (Chief Guest)

Subhash Ghai (Chief Guest)

Rajyavardhan Singh Rathore (Minister)

Rahi Singh (Actress, Model & Miss India)

Bhawari Devi (Rajasthani Folk Singer)

Mohit Gaur (Actor, Singer & Performer)

VIP

Aman Verma

Komal Nahta

K SERIES KANCHAN CASSETTE & SERIES

KANCHAN

Cassette & Series

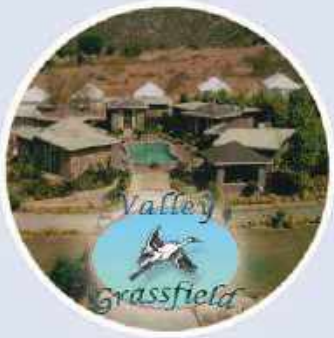

PRODUCTION HOUSE FILM & MUSIC EDITING

EVENT & ARTIST MANAGEMENT MOVIES,MUSIC VIDEOS & TVC AD

STUDIO FOR SHOOTING FILM & MUSIC EDITING

S - 36, First Floor, JDA Central Market, Amrapali Circle, Vaisali Nagar, Jaipur-302021

https://www.youtube.com/user/kseries1000 +91- 9672017865

Sanjana Sharma
Founder

Sukhbir Singh, Komal Nahta
Mentor

Anil Kumar Jain
Programming Head

Dee Jay (Dashrath Joshi)
Event & Creative Head

Akshay Mittal
Production Head

Ujjwal Sharma, Dee Jay (Dashrath Joshi)
Edited By

Vipin Choube
Designed By

Dhanraj Dadhich, Vineet Asopa, Vipin Choube
Writer

Manoj Bhatt
Security

Banwari Lal Sharma (Ganpati Sound)
Light & Sound

TheAcemakers.com
Digital Promotion

Surabhi Kabra, Gaurav Yadav, Mayur, Sanchay, Kunal, Mohit, Arpita, Subham, Yash Tiwari, Ajaj Ali, Mohsin Khan, Rakesh Sharma, Pooja Shah, Narendra Singh, Rohit Sharma

RFF Team

Host : Award Night 16th Sep. 2017
Aman Verma & Mahendra Gaur
Anirudh Dave & Rohit Purohit,
Himanshu Soni & RJ Mohit

Host : School & College 14th Sep. 2017
Kabir & RJ Sonali

Nicky, Vinay & Scorpions Dance Troupe
Choreographer

Artists
Roje Khan & Team , Sharwan Sagar & Kajal Choudhary
Neha Shree, Shreyansh Jain, Poddar College Dance Group

SPONSERS OF
RAJASTHAN FILM FESTIVAL 2017

BIKAJI ASLEE BIKANERI Presents

ETV राजस्थान Broadcast Partner

RAJASTHAN FILM FESTIVAL
नई सोच, नई दिशा

powered by Telangana Tourism

Digital Partner: ACEmakers

Owned & Managed By: K SERIES KANCHAN

Co-Powered by: PCJ PC Jeweller

Associate Sponsor: TERRA AGRO BIOTECH

Associate Sponsor: Puducherry

Trophy Sponsor: JK MASALE SINCE 1957

Sound Partner: Ganpati Sound

fm Partner: 94.3 MY FM

Outdoor Media Partner: SGM Outdoors

Hospitality Partner

Food Partner

Stage Partner: Ratiram's The Fabricator

Hospitality Partner: V One PRIDE

Hospitality Partner: ZONE

Tent Partner: TARA EVENTS

Costume Partner: Varenya

Co-Associate Sponsor: APEKSHA GROUP

Video Partner

Makeup Partner: Swati 'n' Shiva

www.rajasthanfilmfestival.com

THE ACEmakers.com

DIGITAL MARKETING & IT SOLUTIONS

SEO

SMO

WEBSITE

SOFTWARE

ERP

APPLICATION

Internship

GRAPHIC DESIGN

IN DIGITAL MARKETING & WEB DESIGN

EVENT MANAGEMENT

S-36, First Floor, JDA Central Market, Amrapali Circle, Vaishali Nagar, Jaipur-302021

www.theacemakersindia.com info@theacemakers.com

AKSHAY MITTAL

+91 - 9783865051